Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 20 फरवरी, 2023

त्सेत्से मक्खियाँ

एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि **त्सेत्से मक्खियाँ वाष्पशील फेरोमोन उत्पन्न करती हैं जो उनकी यौन क्रिया और उनके द्वारा होने वाली खतरनाक बीमारियों को नियंत्रित करती हैं।** जलवायु परिवर्तन के कारण त्सेत्से मक्खियों की सीमा के विस्तार के साथ आने वाले वर्षों में और अधिक **मनुष्यों एवं जानवरों के इन बीमारियों से प्रभावित होने की** आशंका है। त्सेत्से मक्खियों को **अफ्रीकी ट्रिपैनोसोम नामक परजीवी ले जाने वाले वाहक** के रूप में भी जाना जाता है। जब कीड़े मनुष्यों या जानवरों को काटते हैं, तो वे इन परजीवियों को प्रसारित करते हैं, यह अफ्रीकी स्लीपिंग सिकनेस जैसी बीमारियों का कारण बनते हैं, जो मनुष्यों हेतु घातक हो सकती हैं, साथ ही इन परजीवियों के कारण फैलने वाली **नागाना**, एक ऐसी बीमारी है जो **पशुधन तथा अन्य जानवरों को प्रभावित करती है।**

//

और पढ़ें...परजीवी

सामाजिक विकास आयोग

भारत को **वर्ष 2023 में सामाजिक विकास आयोग के 62वें सत्र के अध्यक्ष** के रूप में चुना गया है। यह **घोषणा सामाजिक विकास आयोग की 13वीं पूर्ण बैठक-61वें सत्र में की गई**।

62वें सत्र के लिये सत्र का प्राथमिकता **विषय "सतत् विकास के लिये 2030 एजेंडा के कार्यान्वयन पर प्रगति में तेज़ी लाने और गरीबी उन्मूलन के व्यापक लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु सामाजिक नीतियों के माध्यम से सामाजिक विकास एवं सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना"** तय किया गया है। सामाजिक विकास आयोग उन प्रमुख आयोगों में से एक है, जिन्हें कोपेनहेगन घोषणा और कार्रवाई, कार्यक्रम की निगरानी एवं संचालन का काम सौंपा गया है। यह संयुक्त राष्ट्र के छह मुख्य अंगों में से एक आर्थिक तथा सामाजिक परिषद (ECOSOC) द्वारा स्थापित किया गया था। आयोग का लक्ष्य ECOSOC

को सलाह देना है, विशेष रूप से उन सामाजिक मुद्दों पर जो संयुक्त राष्ट्र के विशेष अंतर-सरकारी संगठनों द्वारा नहीं निपटाए जाते हैं। **कोपेनहेगन घोषणा और कार्रवाई कार्यक्रम** को वर्ष 1995 में सामाजिक विकास के लिये **विश्व शिखर सम्मेलन के दौरान अपनाया गया** था, जो विकास के केंद्र में लोगों को रखने की आवश्यकता पर एक नई आम सहमति का प्रतिनिधित्व करता है।

और पढ़ें...[आर्थिक और सामाजिक परिषद (ECOSOC)](), [संयुक्त राष्ट्र के अंग]()

अरुणाचल प्रदेश का स्थापना दिवस

भारत के प्रधानमंत्री ने **अरुणाचल प्रदेश के 37वें स्थापना दिवस** पर वहाँ के लोगों को अपनी शुभकामनाएँ दीं। वर्ष **1986 में भारतीय संविधान में 55वें संशोधन** के माध्यम से **अरुणाचल प्रदेश 20 फरवरी, 1987 को भारतीय संघ का 24वाँ राज्य बना।** ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान वर्ष 1972 तक राज्य को **उत्तर-पूर्व सीमांत एजेंसी (NEFA)** के रूप में नामित किया गया था। **20 जनवरी, 1972 को यह एक केंद्रशासित प्रदेश बन गया और इसका नाम अरुणाचल प्रदेश रखा गया।** इसे **अरुणाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1986 द्वारा राज्य का दर्जा दिया गया था। राज्य का गठन** वर्ष 1987 में **असम से अलग कर किया गया था।**

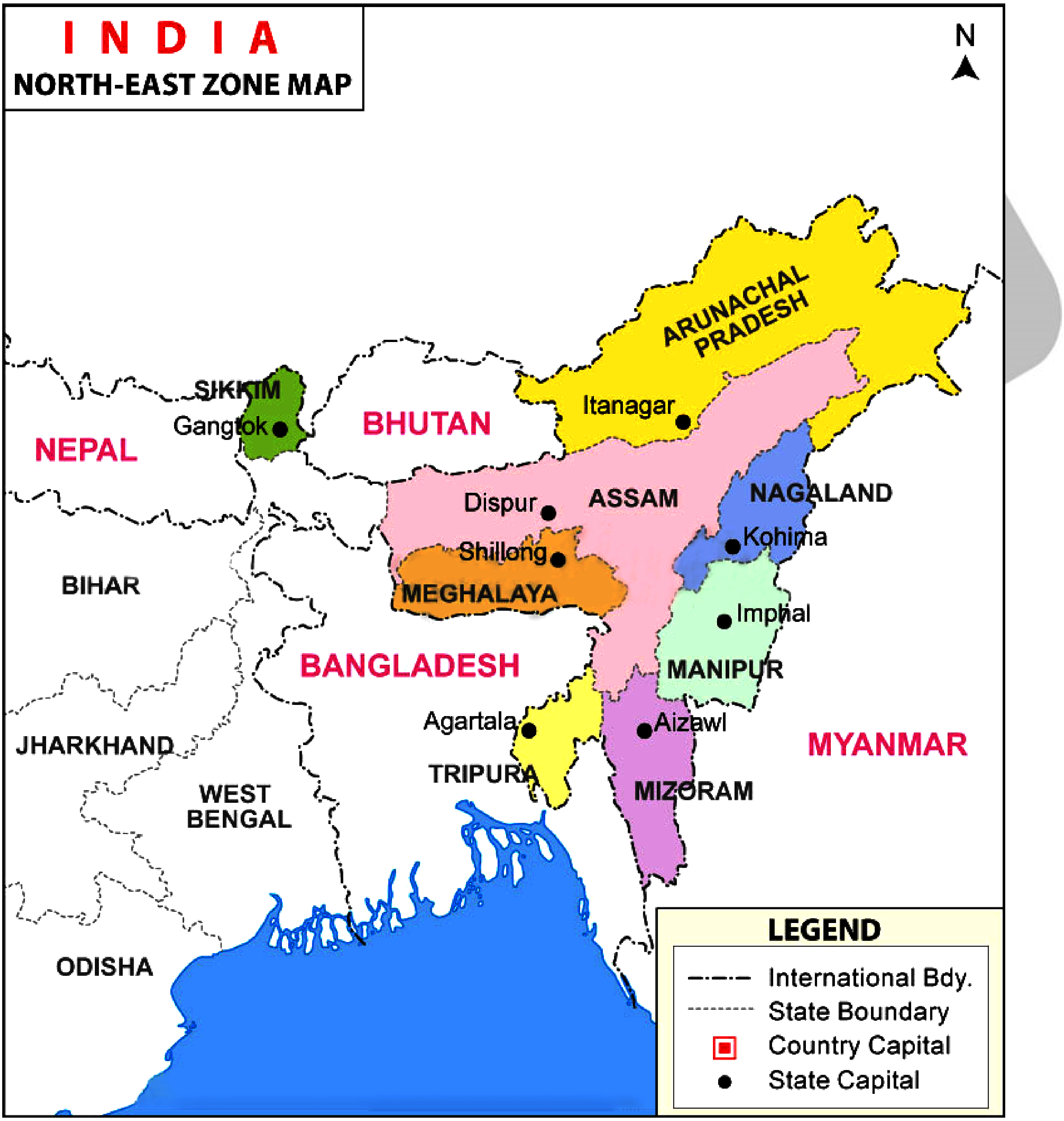

और पढ़ें...[अरुणाचल प्रदेश के संरक्षति क्षेत्र]

लाल मरि्च की तेजा कस्मि

नरि्यात बाज़ार में पाक, औषधीय और अन्य व्यापक उपयोगों हेतु प्रसदि्ध **लाल मरि्च की लोकप्रयि तेजा कस्मि** की बढ़ती मांग **खम्मम कृषि बाज़ार, तेलंगाना के लयि वरदान साबति हो रही है।** लाल मरि्च की **तेजा कस्मि का सबसे बड़ा उत्पादक खम्मम ज़लि तीखे फलों का प्रमुख नरि्यातक** है। एक प्राकृतकि मरि्च से नकिलने वाले **ओलेरोसनि की भारी मांग** के कारण मुख्य रूप से खम्मम ज़लि से तेजा कस्मि की लाल मरि्च का नरि्यात कई एशयािई देशों में वभिन्नि मसाला प्रसंस्करण उद्योगों में कयिा जा रहा है। **लाल मरि्च की इस कस्मि को चीन, बांग्लादेश और कुछ अन्य दक्षणि एशयािई देशों में नरि्यात कयिा जाता है। जसि का एक बड़ा हस्सिा चीन को नरि्यात कयिा जाता है।** थाईलैंड सहति वभिन्नि दक्षणि एशयािई देशों में इसके अनूठे स्वाद और प्राकृतकि रंग एजेंट के रूप में व्यापक अनुप्रयोगों के कारण इस तीखे फल की सबसे अधकि मांग है।

और पढ़े...[भारत का कृषि नरि्यात]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-20-february-2023